आपके बैंक ने पूर्व-परिभाषित सहिष्णुता सीमाओं के साथ आय पर जोखिम (ईएआर) और इक्विटी के बाज़ार मूल्य (एमवीई) पर प्रभाव का आकलन करने के लिए एक उन्नत तरीका अपनाया है, जो उनके साथ जुड़े जोखिमों को निर्धारित करता है और प्रबंधन को शुद्ध ब्याज आय में क्षरण की संभावना वाले परिदृश्य में उचित निवारक कदम उठाने में सक्षम बनाता है।

शाखाओं को स्थिर निधियां प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने और धन की लागत के आधार पर उनकी लाभप्रदता का आकलन करने के लिए, आपके बैंक द्वारा एक समतुल्य परिपक्वता आधारित निधि अंतरण मूल्यन को लागू किया गया था।

आपके बैंक की, आस्ति एवं देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ), तुलन पत्र में आस्ति और देयता प्रबंधन मिश्रण को लगातार संशोधित करके तरलता और ब्याज दर का प्रबंधन करती है। इसके साथ-साथ, एएलसीओ, समय-समय पर ब्याज दरों के परिदृश्यों, देयता उत्पादों के विकास पैटर्न, ऋण वृद्धि, प्रतिस्पर्धी लाभ, तरलता प्रबंधन, विनियामक के निर्देशों के पालन और देयताओं और आस्तियों के मूल्य निर्धारण की समीक्षा करता है।

तुलन पत्र संरचना में अंतर्निहित कठोरता और 1 मई 2019 से प्रभावी आरबीआई की पॉलिसी दरों में त्वरित बदलाव के मुद्दे से निपटने के लिए आपके बैंक ने, बचत बैंक जमाओं (1 लाख रुपये से अधिक शेष वाली) और अल्पावधि ऋण (1 लाख रुपये से अधिक की सीमा वाले नकदी ऋण खाते और ओवरड्राफ्ट) के मूल्य निर्धारण को बाहरी बेंचमार्क यानी पॉलिसी रेपो रेट जोड़ने का बीड़ा उठाया।

1 अक्तूबर 2019 से प्रभावी, बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दर पर आरबीआई के दिशानिर्देशों के बाद, सभी फ्लोटिंग दर वाले खुदरा और एमएसएमई ऋणों का मूल्य निर्धारण बाहरी बेंचमार्क यानी पॉलिसी रेपो रेट से जोड़ दिया गया है। हालांकि, बचत बैंक जमा दरों को रेपो रेट से जोड़ना जारी है।

आस्ति एवं देयता प्रबंधन (देशी स्थिति) के क्षेत्र से संबंधित विनियामक रिपोर्टें/विवरणियाँ अब से ओएफएसएए के माध्यम से स्वचालित हो गए हैं और शीघ्र ही पूरे बैंक की स्थिति स्वचालित होने की उम्मीद है।

8. सदाचार और व्यवसाय आचरण

सदाचार और व्यवसाय आचरण विभाग की स्थापना के बाद से ही आपका बैंक सभी स्तरों पर सदाचार मूल्यों के उत्सर्जन एवं उनके प्रसार तथा उच्च व्यवहार मानदंडों के अनुरूप विभिन्न पहलों एवं कार्यक्रमों का कर्ता-धर्ता बना हुआ है। चाहे हमारे नए विजन, मिशन व मूल्यों के अभिकथन और सदाचार संहिता जैसे आधारभूत मूल मार्गदर्शी सिद्धांतों का निर्माण हो, अथवा परिणाम प्रबंधन, यौन उत्पीड़न निवारण (पॉश) या सोशल मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों के वर्तमान परिचालन दिशानिर्देश हों, आपके बैंक की कार्यशैली का मूल दर्शन तत्काल व दूरंदेशी दोनों ही स्थितियों में सजग, सचेत व सामंजस्यपूर्ण रहा है। पुनः, बैंक में सदाचार के एक मजबूत ढाँचे को आकार देने के लिए इसके समर्थन में विभिन्न प्रयास किए गए हैं/किए जा रहे हैं, ताकि हमारी क्षमता को महत्तर नैतिक बल प्रदान किया जा सके। बैंक ने खुद को भविष्य हेतु तैयार करने के लिए हर वर्ष सुचिंतित उपाय-नीति अपनाकर नियमित और निर्बाध रूप से अपने सुसंचालित कार्यक्रमों और परिचालन प्रक्रियाओं में नवीनतम तकनीकी प्लेटफॉर्म को अपनाया है। निश्चय ही इससे बैंक में संचालित और प्रस्तावित सदाचार की विभिन्न वर्धमान पहलों के विस्तार, आकार और पहुँच में भारी असर पड़ा है।

वर्ष 2019-20 में हमारे द्वारा सदाचार और व्यवसाय आचरण की एक व्यापक वेबसाइट विकसित और प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत वन स्टाप प्लेटफॉर्म पर सुविचारित सदाचार स्रोतों की विस्तृत सरणी दी गई है, ताकि बड़ी संख्या में कर्मचारीगण इसका लाभ उठा सकें। अनुशासन प्रबंधन कार्य की निपुणता और प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लिए कुछ नई पहलें शुरू की गई हैं और बैंक की अनुशासन प्रबंधन पारिस्थितिकी की दक्षता को बढ़ाने संबंधी समर्थक प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। इस संदर्भ में, बैंक में एक रियल टाइम तथा व्यापक व्यवसाय आचरण एवं अनुशासन प्रबंधन ऑनलाइन प्रोसेसिंग पोर्टल तथा डैशबोर्ड की कल्पना की गई, उसे डिजाइन किया गया और चालू किया गया। ज्ञानवर्धन और मार्गदर्शन के अगले संवर्धन/अनुपूरक प्रयासों के रूप में अनुशासन प्रबंधन फ्रेमवर्क के विशेष कार्यक्षेत्र में कार्य करने वाले सभी अधिकारियों के लिए वर्ष भर नियमित रूप से एक विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।

यह दोहराना आवश्यक नहीं होगा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण के मामले में आपका बैंक बिल्कुल भी सहन न करने (जीरो टोलरेंस) वाली नीति का पक्षधर है और वह लिंग के आधार पर भेदभाव रहित कार्य परिवेश प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए बैंक ने कार्य-स्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न निवारण संबंधी अपनी नीति व प्रक्रिया को 'गरिमा' नाम से अभिहित किया है। इस नीति व प्रक्रिया को कारगर और सरल बनाने के लिए बैंक ने रियल टाइम 'गरिमा' ऑनलाइन शिकायत पोर्टल का भी शुभारंभ किया है, जो इससे संबंधित शिकायतों को दूर करने के साथ ही इस प्रक्रिया से जुड़े लोगों में कौशल निर्माण का कार्य भी करेगा।

आपके बैंक जैसे विशाल आकार और विस्तार वाले संगठन के लिए सदाचार मूल्यों को आत्मसात् करना तथा सदाचारमयी अनुगुंजित संस्कृति का निर्माण करना एक दीर्घ-कालिक प्रक्रिया है। तथापि, अपनी तीन वर्षों की संक्षिप्त यात्रा में ईमानदार इरादों तथा बेहिचक कदमों के चलते इसके सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं, जो हमारे हर पिछले कदम की सफलता की कहानी बयां करते हैं और सुबह से शाम तक हमारी ब्रांड को सशक्त बनाने में अपना अवदान करते हैं।

9. कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

एसबीआई की संस्कृति में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गहरे रूप से समा गया है। बैंक 1973 से सीएसआर गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। बैंक के सीएसआर दर्शन का प्राथमिक उद्देश्य देश के आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से चुनौती प्राप्त समुदायों के जीवन पर सार्थक और मापने योग्य प्रभाव बनाना है। बैंक की सीएसआर गतिविधियां देश भर में लाखों गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन को छूती हैं।

बैंक के सीएसआर गतिविधियों के केंद्र में स्वास्थ्य रक्षा, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, राष्ट्रीय धरोहरों का पर्यावरण संरक्षण, महिला, युवा तथा वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण इत्यादि शामिल हैं।

प्रोजेक्ट के तौर पर की जानेवाली सीएसआर गतिविधियां एसबीआई फाउंडेशन के तहत की जाती हैं, जो 2015 में स्थापित एसबीआई का सीएसआर पक्ष है, जिसे "सेवा से परे बैंकिंग" की बैंक की परंपरा के माध्यम से भारत में एक प्रमुख सीएसआर संस्थान बनने की दृष्टि से स्थापित किया गया था। अपने अस्तित्व के पिछले चार वर्षों के दौरान,

एसबीआई फाउंडेशन पिरामिड के निचले हिस्से पर जीने वाले लोगों के लिए एक सकारात्मक अंतर लाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की पहचान और समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसबीआई को अपने लाभ का 1% सीएसआर पर खर्च करना होता है। पूरे भारत में बैंक के कार्यालय अपने कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ समाज को वापस देने के लोकाचार पर खरा उतरने के लिए विभिन्न सीएसआर गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

वर्ष 2019-20 के दौरान सीएसआर पर व्यय

वित्त वर्ष 2018-19 में बैंक का निवल लाभ ₹ 862 करोड़ रहा तथा 8.62 करोड़ रुपए को जो लाभ का 1% वर्ष 2019-20 के लिए बैंक के सीएसआर कोष के रूप में बजट किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से बैंक ने विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के लिए ₹ 27.47 करोड़ खर्च किया/दान में दिया।

क्र. सं	विवरण	(₹ करोड़ में)
1	राष्ट्रीय स्तर पर दान (विभिन्न राज्यों के मुख्य मंत्री राहत निधि)	9.00
2	सामान्य दान और आरएसईटीआई को शामिल करके अन्य प्रत्यक्ष गतिविधियों के लिए (कैपेक्स व्यय के लिए)	6.09
3	एसबीआई फाउंडेशन	12.38
	सीएसआर हेतु कुल खर्च	27.47

2019-20 में प्रमुख क्षेत्रवार खर्च (% में)

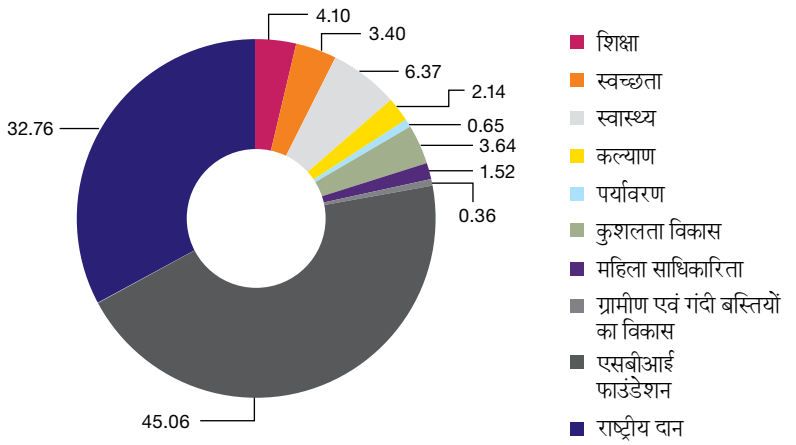

शिक्षा

बैंक हमेशा दूरदराज, अनभिगम्य और अविकसित क्षेत्रों में समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा की सहायता देने का प्रयास करता है। शिक्षा सहायता के लिए 1.13 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- वंचित बच्चों के विभिन्न विद्यालयों को 52.57 लाख रुपए के 6 स्कूल बस दान किए गए थे।
- वंचित बच्चों की सेवा में लगे स्कूलों को लैपटाप, प्रोजेक्टरों, बेंचों, मेज़, कुर्सियाँ, लाईब्रेरी कैबिनेट इत्यादि का वितरण।
- पिछड़े इलाकों में स्थित स्कूलों में बच्चों को पीने का पानी के लिए जल शुद्धीकरण यंत्र उपलब्ध कराना।

स्वास्थ्य रक्षा

इसके तहत एसबीआई समाज के वंचितों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के लिए अस्पतालों और गैर सरकारी संगठनों को बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए, 1.75 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। बैंक ने विभिन्न अस्पतालों, एनजीओ और ट्रस्टों को 9 एंबुलेंस दान कीं। इसके साथ ही किडनी की समस्या से पीड़ित गरीब मरीजों के इलाज के लिए डायलिसिस मशीन भी दान की गई है। इसी तरह, मुफ्त डायलिसिस के लिए बैंगलोर किडनी फाउंडेशन को और मानसिक रूप से पीडित बच्चों को सहायता देने के लिए रामकृष्ण आश्रम, अहमदाबाद को दान दिया गया है।

कौशल विकास

भारत दुनिया के सबसे युवा राष्ट्रों में से एक है, जिसकी 50% से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। बढ़ती युवा जनसांख्यिकी की रोजगारपरकता को देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण कारकों में से एक माना जाता है। एसबीआई ने प्रशिक्षित मानव संसाधन की आपूर्ति में सहायता के लिए एक फोकस क्षेत्र के रूप में कौशल विकास पहल शुरू की है। बैंक ने देश में युवाओं की बेरोजगारी और अल्परोजगार की समस्याओं में मदद और उसे कम करने के लिए देशभर में 152 आरसेटी की स्थापना की है। वर्ष 2019-20 के दौरान एसबीआई ने दो आरसेटी को कैपेक्स खर्च के लिए 1.00 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की।

महिला एवं वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण

2019-20 में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिक के सशक्तिकरण के लिए 0.42 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई थी। शुरू की गई प्रमुख पहल इस प्रकार हैं-

- द सोसाइटी आफ सिस्टर्स आफ दि डेस्टिट्यूट शांतिसदन, ओरमांझी, रांची को 13 सीटों वाला टाटा विंगर वाहन का दान।
- श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर आने वाले वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रियों के लिए एक बस का दान।

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता

एसबीआई "स्वच्छ भारत" के सरकार के मिशन के लिए प्रतिबद्ध है और उसने देश भर में कई पहल की हैं, जिनमें सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, डम्पर बिन, प्लास्टिक रिसाइकिल के लिए मशीनें आदि उपलब्ध कराना शामिल हैं। पर्यावरण संरक्षण के तहत सभी पहल कार्बन पदचिह्न को कम करने में सकारात्मक योगदान देते हैं। वर्ष 2019-20 में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की दिशा में 1.10 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। बैंक ने भारत के विभिन्न स्थानों पर रीसाइक्लिंग के लिए एकल उपयोग प्लास्टिक की बोतलों के संग्रह के लिए स्मार्ट क्रशिंग डिब्बे लगाने की व्यवस्था की। वृक्षारोपण की प्रमुख पहल शुरू की गई और पूरे भारत में 4 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए।

एसबीआई बाल कल्याण कोष

"दान देने की प्रक्रिया घर से शुरू होती है" की अवधारणा के साथ एसबीआई ने स्टाफ सदस्यों की पहल के रूप में वर्ष 1983 में एसबीआई बाल कल्याण कोष नाम से एक ट्रस्ट की स्थापना की थी। ट्रस्ट वंचितों और अनाथ बच्चों की बेहतरी के लिए एसबीआई के कर्मचारियों के स्वैच्छिक योगदान से धन प्राप्त करता है। निधि के कोष पर अर्जित ब्याज का उपयोग वंचित बच्चों यथा अनाथ, दिव्यांग, बेसहारा और वंचित आदि के कल्याण में लगे संस्थानों को अनुदान देने के लिए किया जाता है।

वर्ष 2019-20 के दौरान कर्मचारियों से 0.45 करोड़ रुपये का कुल अंशदान प्राप्त हुआ है और भारतीय स्टेट बैंक ने दिव्यांगों सहित गरीब और दलित बच्चों के कल्याण के लिए काम कर रहे देश भर के 6 संस्थानों/संगठनों को 0.53 करोड़ रुपये की राशि दान की है।

राष्ट्रीय दान

भारत के कई हिस्से हाल ही में तूफान और बाढ़ से तबाह हो गए हैं, जिससे बड़े पैमाने पर संपत्ति और इंफ्रास्ट्रक्चर का विनाश हुआ है। वर्ष 2019-20 में, विभिन्न मुख्यमंत्री राहत कोष में दान के लिए 9.00 करोड़ रुपये का उपयोग राष्ट्रीय दान के रूप में किया गया था।

क्र. सं	विवरण	(₹ करोड़ में)
1	असम	1.00
2	बिहार	1.00
3	ओडिशा	5.00
4	महाराष्ट्र	1.00
5	कर्नाटक	1.00
	कुल राष्ट्रीय दान	9.00

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा राष्ट्रीय दान

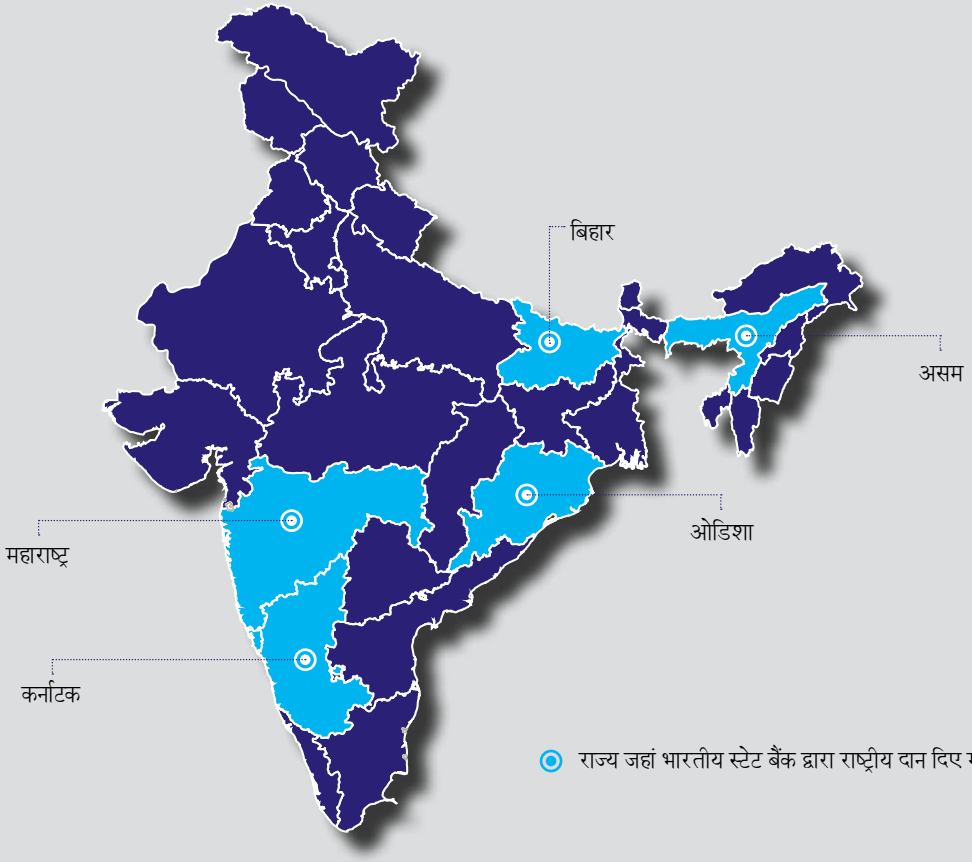

10. भारतीय स्टेट बैंक में संवहनीयता

बैंक कार्यनीतिक निर्णय लेने, ऋण देने और अभिनव उत्पादों और सेवाओं के विकास में सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमों के प्रबंधन जैसे बहु गुना दृष्टिकोण को अपनाकर संवहनीयता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। बैंक में संवहनीयता प्रथाओं को चरणबद्ध रूप से बढ़ाने के लिए, बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित "संवहनीयता और व्यावसायिक उत्तरदायित्व (बीआर) नीति" तैयार किया है। इस नीति को बैंक की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। बैंक ने पर्यावरण-सामाजिक-अभिशासन (ईएसजी) मापदंडों पर अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं।

बैंक ने बैंक के समग्र संवहनीयता लक्ष्य की देखरेख का कार्य उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और कॉरपोरेट विकास अधिकारी को सौंपा है। बैंक के पर्यावरण और सामाजिक लक्ष्यों के निष्पादन की निगरानी कॉरपोरेट सेंटर सस्टेनेबिलिटी कमेटी (सीसीएससी) द्वारा की जाती है, जिसमें विभिन्न वर्टिकल/विभागों के व्यवसाय और कार्यात्मक प्रमुख शामिल हैं। सीसीएससी समय-समय पर बैठक बुलाकर बैंक स्तर पर प्रभावी संवहनीयता प्रबंधन के लिए विचार-विमर्श करता है और मार्ग प्रशस्त करता है।

वित्त वर्ष 2016 से बैंक अपने गैर-वित्तीय प्रकटीकरणों को वार्षिक संवहनीयता रिपोर्ट के माध्यम से प्रकाशित कर रहा है। वित्त वर्ष 2016-17 तथा और उसके बाद के लिए, बैंक ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) फ्रेमवर्क के अनुसार अपनी संवहनीयता रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। संवहनीयता रिपोर्टें भी बैंक की वेबसाइट पर रखी जाती हैं। बैंक सीडीपी का सदस्य हस्ताक्षरकर्ता भी है और 2012 के बाद से अपने निष्पादन का खुलासा कर रहा है।

बैंक के संवहनीयता पहल

पहले से शुरू किए गए तथा विचाराधीन कुछ प्रमुख पहल निम्नानुसार हैं:

- कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में जलवायु परिवर्तन मामले को पहचानने के लिए बैंक ने एक चरणबद्ध तरीके से निर्धारित अवधि के अंतर्गत कार्बन तटस्थ संगठन बनने के लिए कार्बन तटस्थता रणनीति तैयार किया है। बैंक ने वर्ष 2030 तक "कार्बन तटस्थ" स्थिति प्राप्त करने की परिकल्पना की है। जनरेटर सेट के बदले शाखाओं (ग्रामीण/अर्ध-शहरी) में रिमोट मॉनिटरिंग आधारित सौर ऊर्जा प्रणाली की पहल की जा रही है। बैंक अपनी कैप्टिव आरई बिजली क्षमता को बढ़ाने के लिए देश भर में शाखाओं/कार्यालयों में सौर ऊर्जा यंत्र/उपकरण भी स्थापित कर रहा है। वर्तमान में कैप्टिव उपयोग के लिए बैंक की आरई क्षमता लगभग 35 एमडब्ल्यूपी है।
- बैंक के स्वामित्व वाले परिसर में सौर एटीएम, सौर रूफ टॉप परियोजनाओं की स्थापना। गति सक्रिय प्रकाश व्यवस्था की स्थापना के अलावा बैंक के परिसर में ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था और एयर कंडीशनिंग सिस्टम। शाखाओं से सर्वर हटाना और एक सुरक्षित आभासी वातावरण पर डेटा रखने के लिए शाखा सर्वर समेकन (बीएससी) परियोजना, बिजली की बचत के लिए प्रत्येक डेस्कटॉप पर बिजली प्रबंधन उपयोगिता की स्थापना आदि।
- हमारे सात (7) परिसरों को विभिन्न श्रेणियों (प्लेटिनम/गोल्ड/सिल्वर) के तहत भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) द्वारा "ग्रीन परिसर/परियोजनाएं" के रूप में आंका गया है।
- हमारे सभी डिजिटल चैनल ग्राहकों के लिए, बैंक ग्रीन रिवार्ड पॉइंट्स की पेशकश कर रहा है, जिसका एसबीआई ग्रीन फंड को क्रेडिट के लिए उपयोग किया जा सकता है, जिसे संवहनीय गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाएगा।
- हमारी ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया और व्यावसायिक निर्णयों में पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन प्रणाली (ईएमएसएम) के एकीकरण को महत्वपूर्ण आयाम मिला है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, बैंक ने 100 मिलियन अमरीकी डॉलर के अतिरिक्त ग्रीन बांड जारी किए, जिससे बैंक के कुल ग्रीन बॉन्ड आकार 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
- बैंक अपने उत्पाद और सेवाओं को 17 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप मैप करने की प्रक्रिया में भी है। बैंक के आठ (8) उत्पादों को एसडीजी को मैप किया गया है, जिसमें दो प्रमुख ऋण उत्पाद शामिल हैं-आवास ऋण और कार ऋण। व्यवसाय प्रथाओं में सतत विकास लक्ष्यों को एकीकृत करने के विषय पर, सहकर्मी भागीदारी और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक उद्योग व्यापी गोलमेज चर्चा का आयोजन किया गया था।
- एसबीआई ग्रीन मैराथन-पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता पैदा करने के लिए बैंक की ऐतिहासिक नवोन्मेषी पहल ने इस वर्ष अपने तीसरे चरण में प्रवेश किया है। इस पहल ने पिछले कुछ वर्षों में भारी प्रसिद्धि और भागीदारी अर्जित की है और महत्वपूर्ण ब्रांड मूल्य के साथ एक अभिनव संपत्ति के रूप में खुद को तैनात किया है।
- वर्ष के दौरान, बैंक ने बैंक के आंतरिक संवहनीयता उपायों और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित बुनियादी संवहनीयता मुद्दों पर अपने कर्मचारियों के लिए एक समर्पित ऑनलाइन ट्यूटोरियल "अस्तित्व" शुरू किया। इसके अतिरिक्त, एक त्रैमासिक ई-न्यूज़लेटर "सस्टैन ऑन" शुरू की गई है और सभी कर्मचारियों को भेज दिया जा रहा है, जिससे उन्हें संवहनीयता संबंधित मुद्दों और समाचार पर जागरूक किया जा सके।